बिहार के सतत विकास पर मंथन करेगा चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) शनिवार को "वैश्विक लक्ष्यों से स्थानीय कार्रवाई तकः बिहार के सतत विकास के लिए एक कार्यशाला" शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा। यह कार्यशाला, नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन (एसएसएम) के तहत बिहार सरकार की योजना एवं विकास विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य सतत विकास के लिए वैश्विक आकांक्षाओं को स्थानीय कार्यों से जोड़ना है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को बिहार में अद्वितीय चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने वाले मूर्त, संदर्भ-विशिष्ट समाधानों में अनुवादित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कार्यशाला क्षेत्र विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को राज्य के सतत विकास के लिए चर्चाओं में शामिल होने और कार्रवाई योग्य रणनीति तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। यह एसडीजी को स्थानीय-कृत करने और स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और जलवायु लचीलापन जैसे क्षेत्रों में बिहार की चुनौतियों के लिए नवीन समाधानों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

इस आयोजन की एक प्रमुख विशेषता "सतत विकास के लिए सहयोग और भागीदारी" शीर्षक से एक गोलमेज चर्चा होगी जो एसडीजी कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए बहु-हितधारक भागीदारी को बढ़ावा देगी। कार्यशाला सरकार, शिक्षा जगत, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों के लिए खुली है। इसका उद्देश्य राज्य में सतत विकास को चलाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देना और भागीदारी का निर्माण करना है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-02 ! Dated:07-12-2024

सीएसआर को लेकर राज्य सरकार की मदद करेगा सीआइएमपी

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीसीएसआर-2024) शुक्रवार को शुरू हुआ. दो दिवसीय कार्यक्रम 'सीएसआर और ग्रामीण विकासः अवसरों का लाभ उठाना' विषय पर आयोजित किया गया. इसका उद्देश्य सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की समझ का विस्तार करना है. सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना ने कहा कि बिहार के बढ़ते संस्थागत परिदृश्य और स्थानीय समुदायों के उत्थान के लिए सीएसआर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है. बिहार में भारत की आबादी का 10 प्रतिशत हिस्सा है, फिर भी सीएसआर व्यय का एक प्रतिशत से कम प्राप्त होता है. उन्होंने कहा सीआइएमपी को सीएसआर में बिहार सरकार की मदद करने के लिए एक ज्ञान भागीदार के रूप में शामिल होना चाहिए. इंडिया सीएसआर के संस्थापक रुसेन कुमार के साथ अन्य लोगों ने अपनी बातें रखी. एनआइएएम के निदेशक प्रो सपना नरूला ने सीएसआर के विकास पर विचार किया.

सीएसआर पर केंद्रित दो पुस्तकें जारी की गयीं : इस अवसर पर सीएसआर पर केंद्रित दो पुस्तकें सीआइएमपी सीएओ कुमोद कुमार, और चित्रकाया के संस्थापक प्रिया नाथ द्वारा लिखित 'सीएसआर में एआइ की भूमिका-प्रभाव के लिए प्रौद्योगिकी के साथ एसडीजी को जोड़ना' है. दूसरी पुस्तक का नाम 'इएसजी की तैयारी के साधन के रूप में सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य कल्याण और सतत विकास को प्राथमिकता देना' है, जिसे प्रोफेसर सेनापति एसोसिएट प्रोफेसर सीआइएमपी, कुमोद कुमार और निदेशक प्रोफेसर राणा सिंह द्वारा संपादित किया गया है. तकनीकी सत्र में 17 शोध प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गयीं.

Prabhat Khabar ! Page.No-04
Dated:07-12-2024

सीआईएमपी में होगी बिहार के सतत विकास पर कार्यशाला

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में वैश्विक लक्ष्यों से स्थानीय कार्रवाई तक- बिहार के सतत विकास के लिए एक कार्यशाला शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा। यह कार्यशाला, नीति आयोग के राज्य सहायता मिशन (एसएसएम) के तहत बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य सतत विकास के लिए वैश्विक आकांक्षाओं को स्थानीय कार्यों से जोड़ना है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को बिहार में अद्वितीय चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने वाले मूर्त, संदर्भ-विशिष्ट समाधानों में अनुवादित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कार्यशाला क्षेत्र विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को राज्य के सतत विकास के लिए चर्चाओं में शामिल होने और कार्रवाई योग्य रणनीति तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। यह एसडीजी को स्थानीयकृत करने और स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और जलवायु लचीलापन जैसे क्षेत्रों में बिहार की चुनौतियों के लिए नवीन समाधानों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस आयोजन की एक प्रमुख विशेषता सतत विकास के लिए सहयोग और भागीदारी शीर्षक से एक गोलमेज चर्चा होगी जो एसडीजी कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए बहु-हितधारक भागीदारी को बढ़ावा देगी। कार्यशाला सरकार, शिक्षा जगत, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों के लिए खुली है। इसका उद्देश्य राज्य में सतत विकास को चलाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देना और भागीदारी का निर्माण करना है।

AAJ ! Page.No-05 ! Dated:07-12-2024

सीआइएमपी में सीएसआर पर दो दिवसीय कार्यशाला

जागरण संवाददात, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में शुक्रवार को दो दिवसीय कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीसीएसआर-2024) का शुभारंभ मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार के बढ़ते संस्थागत परिदृश्य और स्थानीय समुदायों के उत्थान के लिए सीएसआर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। बिहार में देश की आबादी का 10 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन सीएसआर व्यय में एक प्रतिशत से कम है। सीआइएमपी को सीएसआर में बिहार सरकार की मदद करने के लिए शामिल होना चाहिए।

Dainik Jagran
Page.No-02
Dated:07-12-2024

सीएसआर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीसीएसआर-2024) शुक्रवार को शुरू हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम 'सीएसआर और ग्रामीण विकासः अवसरों का लाभ उठाना' विषय पर आयोजित किया गया।

इसका उद्देश्य सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की समझ का विस्तार करना है। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना ने कहा कि बिहार के बढ़ते संस्थागत परिदृश्य और स्थानीय समुदायों के उत्थान के लिए सीएसआर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बिहार में भारत की आबादी का 10 प्रतिशत हिस्सा है, फिर भी सीएसआर व्यय का एक प्रतिशत से कम प्राप्त होता है, उन्होंने कंपनियों से प्रभाव को अधिकतम करने के लिए स्थानीय जरूरतों के साथ सीएसआर प्रयासों को संरेखित करने का आग्रह किया।

Hindustan ! Page.No-06
Dated:07-12-2024